सिक्किम विश्वविद्यालय
स्थापित: 2007

वॉल्यूम: V
अंक:VII
अप्रैल 2018

सिक्किम विश्वविद्यालय क्रॉनिकल

संपादकीय

यह बहुत प्रसन्नता की बात है कि मैं सिक्किम क्रॉनिकल का एक और अंक आपके समक्ष ला रही हूँ। अप्रैल के अंक में विलंब होने के लिए मैं क्षमा चाहती हूँ।

अप्रैल का महिना व्यापार उत्सव जुवेनिस-2018 के साथ शुरू हुआ। विभिन्न महाविद्यालयों, संस्थानों और विश्वविद्यालयों के प्रतिभागियों ने प्रबंधन विभाग द्वारा आयोजित एक दिवसीय उत्सव में भाग लिया।

यह उत्सव धर्मिता पूरे महीने बनी रही, क्योंकि छात्रों ने विश्वविद्यालय के छात्रों के उत्सव रमाइलो सु-खिम में भाग लेने के लिए प्रस्तुत थे। रामाइलो सु-खिम का आयोजन छात्रों को उत्सव के दौरान आयोजित विभिन्न कार्यक्रमों में भाग लेने और भाग लेने का अवसर प्रदान करने के लिए किया गया था। छात्रों ने बहुत उत्साह और उमंग के साथ विभिन्न गतिविधियों में भाग लिया। इस आयोजन ने छात्रों को एक मंच प्रदान किया था, जिसमें छात्र अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने में सक्षम रहे और साथ ही साथ उनके साथियों के साथ संयोजित होकर कार्य करते थे।

यह अंक केंद्रीय पुस्तकालय पर भी केंद्रित है और विश्वविद्यालय पुस्तकालय में कुछ उपयोगी संसाधनों को रेखांकित करता है।

मुझे आशा है कि आप पढ़ने का आनंद उठा रहें हैं और हमारे सभी पाठकों के लिए उदारता से लेखों का योगदान करके हमें अपना सहयोग जारी रखें।

श्रीमती कुंजनी प्रकाश दर्नाल

_रमाइलो सु-खिम

सिक्किम विश्वविद्यालय सांस्कृतिक मामलों के सचिव प्रसाद लिम्बू के साथ सांस्कृतिक उत्सव "रमाइलो सु-खिम २०१७" का साक्षी बना। इस बहुप्रतीक्षित सांस्कृतिक उत्सव दिनांक २८ अप्रैल से शुरू होकर ३० अप्रैल तक चला। यह उत्सव दिनांक 21 अप्रैल को कावेरी हॉल, ५ माइल में आयोजित एकक गीत प्रतियोगिता के ऑडिशन के साथ प्रारम्भ हुआ। इसके बाद दूसरे दिन समूह नृत्य और एकल नृत्य आयोजित किया गया। उत्सव का मुख्य कार्यक्रम, जिसके लिए छात्र इंतजार कर रहे थे, दिनांक २८ अप्रैल से सरमसा गार्डेन, रानीपूल में शुरू हुआ। समारोह का पहला दिन एकल नृत्य था जिसके बाद समूह नृत्य किया गया था, जहां सिक्किम विश्वविद्यालय ने सांस्कृतिक मामलों के सचिव प्रसाद लिंबू के साथ रामाइलो एसयू-खिम 2017 को देखा था। समारोह का पहला दिन को एकल नृत्य हुआ और उसके बाद समूह नृत्य आयोजित हुआ, जिसमें फ़ैशन शो भी शामिल था, जिसका विषय वस्तु ९० के दशक था। हॉल उज्ज्वल, चमकीले कपड़े से सजते-सँवरते छात्रों से चमक रहा था। सबसे महत्वपूर्ण बात है कि सभी छात्र उत्साहित और उत्फुल्लित थे। कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण "प्रोम" रहा। यह मिस्टर और मिस यूनिवर्सिटी 2018 के लिए भी निर्णायक दिन था। सिक्किम विश्वविद्यालय के छात्रों ने एक सम्मिलित सांस्कृतिक कार्यक्रम के माध्यम से अपनी विविधता दिखाई, जहां उन्होंने अपनी संस्कृति पर प्रकाश डाला जिसने हमें विविधता से पूर्ण देश भारत के बारे में सोचने के लिए मजबूर किया। तीसरे दिन रोमांचक और भव्य कार्यक्रमों का आयोजन हुआ।

पेज *4* पर जारी .....

इस अंक में:

संपादकीय
रमाइलो सुखिम
लाइब्रेरी कॉर्नर
जुवेनिस *2018* - एक संक्षिप्त रिपोर्ट
सोशल मीडिया का प्रभाव

ईमेल आईडी : suchronicle@cus.ac.in

लाइब्रेरी कॉर्नर

सिक्किम विश्वविद्यालय के इलैक्ट्रॉनिक संसाधन

ई-बुक्स

इलेक्ट्रॉनिक संसाधनों का उपयोग किसी भी समय कहीं भी आसान और सुविधाजनक होने के कारण मुद्रित सामग्रियों पर दिन प्रतिदिन अधिक लोकप्रिय होता जा रहा है। सिक्किम विश्वविद्यालय का पुस्तकालय मुद्रित के साथ-साथ ई-किताबों का संग्रह बना रहा है। पुस्तकालय ने ई-किताबों का चुनिंदा संग्रह का कार्य शुरू किया, जो ज्यादातर पाठ्यपुस्तकों और संस्तुत पठन के लिया है। संग्रह निम्नलिखित प्रतिष्ठित प्रकाशकों से है:

टेलर और फ्रांसिस, पियर्सन, स्प्रिंगर, एल्सवियर

सभी शीर्षकों को संबंधित विभागों के संकाय सदस्यों द्वारा न्यायसंगत और विचारपूर्वक चुना गया है जो विश्वविद्यालय द्वारा संचालित किए जाने वाले पाठ्यक्रमों से संबंधित छात्रों और संकाय की आवश्यकताओं को पूरा करता है और अत्यधिक उपयोगी है। इन शीर्षकों को प्रत्येक शीर्षक के लिए यूआरएल के साथ विभागों के अनुसार सुसंगठित रूप से व्यवस्थित किया गया है, जो उपयोगकर्ताओं को पूरी किताब या उसके अध्यायों को खोलने, डाउनलोड करने और प्रिंट करने और लाइब्रेरी वेबपृष्ठ पर होस्ट करने के लिए सीधे प्रकाशकों की वेबसाइट पर ले जाता है

इस तरह के संग्रह पुस्तकालय के अलावा डिजिटल संसाधनों का अपना डिजिटल भंडार भी विकसित किया गया है जो मुख्य रूप से निम्नलिखित क्षेत्रों को कवर करता है:

सिक्किम के विशेष संदर्भ के साथ पूर्वोत्तर पर साहित्य

संकायों का प्रकाशन- प्रशासनिक दस्तावेज

पुस्तकालय में उपलब्ध पत्रिकाओं की वर्तमान और पिछले वॉल्यूम के विषय-सूची पृष्ठ

एमफिल और पीएचडी के शोध-प्रबंध

पूर्वोत्तर पर वीडियो फिल्में

एक्सेस लिंक:- ई-बुक: http://library.cus.ac.in/index.php/subject-wise-e-books/

डिजिटल रिपोजिटरी: http://14.139.206.50:8080/jspui/

ई-पत्रिकाएँ - पुस्तकालय वर्ष 2018-19 के लिए ई-जर्नल के निम्नलिखित पैकेज की सदस्यता ले रही है:

ई-जर्नल (4896)- (इब्स्को और एमराल्ड), बहु-विषयक आवरण, इबस्को से शिक्षा, आतिथ्य और प्रबंधन के लिए विशेष पैकेज की सदस्यता ली गई है।

शिक्षा अनुसंधान पूर्ण- इस पैकेज में 3465 पूर्ण-पाठ पत्रिकाओं को शामिल किया गया है जो जर्नल के प्रथम अंक से वर्तमान अंकों और पिछले तक उपलब्ध कराता है।

आतिथ्य पर्यटन पूर्ण

"कोर" कवरेज उन स्रोतों को संदर्भित करता है जो पूरी तरह से अनुक्रमित और सारणीबद्ध होते हैं (यानी आरंभ से अंत तक)

"प्राथमिकता" कवरेज उन स्रोतों को संदर्भित करता है जो क्षेत्र से संबंधित सामग्रियों की पर्याप्त वॉल्यूम में हैं।

"चुनिंदा" कवरेज उन स्रोतों को संदर्भित करता है जो क्षेत्र के लिए प्रासंगिक सामग्री कभी-कभी पाया जाता है। चुनिंदा सामग्री हजारों शीर्षकों से चुनी गई है जिसमें लेख इस विषय से प्रासंगिक हैं।

डेटाबेस में 800 से अधिक शीर्षक शामिल हैं जिनमें पूर्ण-पाठ प्रदान करने के साथ-साथ पिछले वॉल्यूम तक पहुंच प्रदान की जा रही है

प्रबंधन उत्सव- जुवेनिस 2018

सीखना कक्षाओं तक सीमित नहीं है। सीखने के आयामों में से एक यह है कि यह सीमाओं से परे है।

दिनांक 10 अप्रैल 2018 को प्रबंधन विभाग, सिक्किम विश्वविद्यालय द्वारा जुवेनिस 2018 आयोजित किया गया था। विभाग के अध्यक्ष के मार्गदर्शन में पहले से ही कार्यक्रम को सफल बनाए की तैयारी की गई थी।

उत्सव का आयोजन करने का मुख्य उद्देश्य विभागीय छात्रों को अपनी बात को प्रस्तुत करने और विभिन्न कॉलेजों और विश्वविद्यालयों के प्रतिभागियों के बीच एक प्रतिस्पर्धी भावना पैदा करने के लिए एक मंच प्रदान करना था। विभाग ने कार्यक्रम में विभिन्न कॉर्पोरेट क्षेत्र/उद्योगों से अतिथियों को आमंत्रित करके छात्रों के अवसरों की खोज करने का भी लक्ष्य रखा। बराद सदन के सम्मेलन कक्ष और कावेरी हॉल में विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए गए। इस कार्यक्रम में छ: कॉलेजों/ विश्वविद्यालयों, जैसे कि सिक्किम सरकारी कॉलेज, बुर्तुक सरकारी कॉलेज, तादोंग, सिक्किम सरकारी कॉलेज, नामची, सिक्किम मणिमाल विश्वविद्यालय, एसएमआईटी, माझीटार और सिक्किम विश्वविद्यालय से कुल ५९ छात्रों ने भाग लिया।

उद्घाटन सत्र की शुरुआत सुबह 11 बजे उत्सव के संयोजक डॉ कृष्ण मुरारी, अध्यक्ष, प्रबंधन विभाग के स्वागत भाषण के साथ हुई और इसके बाद प्रो. वी.रमा देवी, डीन, व्यावसायिक अध्ययन विद्यापीठ, मुख्य अतिथि श्री आर.वी. सांगवेई, महा प्रबंधन, आरबीआई, गंगटोक और प्रो. ज्योति प्रकाश तामांग ने संबोधित किया। श्री सांगवेई ने अपने सम्बोधन में छात्रों को इंटर्नशिप प्रदान करने तथा परियोजना कार्य में शामिल होने के लिए विभाग और विश्वविद्यालय के साथ दीर्घकालिक सहयोग करने के लिए अपनी रुचि व्यक्त की।

कुलसचिव श्री टी.के.कौल की अध्यक्षता में आयोजित समापन समारोह के साथ कार्यक्रम समाप्त हुआ।

सोशल मीडिया का प्रभाव

श्रीमती कुंजनी प्रकाश दर्नाल, जनसम्पर्क अधिकारी, सिक्किम विश्वविद्यालय

मनुष्य ने अपनी जिंदगी बेहतर बनाने के लिए प्रौद्योगिकी का आविष्कार किया और यह एक क्रांति बन गई। आज, प्रौद्योगिकी को हर जगह देखा जा सकता है। प्रौद्योगिकी के उपयोग ने मानव जीवन को इतनी हद तक प्रभावित किया है कि हम अपने दैनिक जीवन में प्रौद्योगिकी पर पूरी तरह से निर्भरशील हैं। प्रौद्योगिकी ने अन्य लोगों के साथ संवाद करने के तरीके को भी बदल दिया है। सोशल मीडिया के उपयोग के साथ लोग एक-दूसरे से जुड़े हुए हैं। किसी भी वेबसाइट, पोर्टल या ऐप जो मानव जीवन के सामाजिक पहलुओं को ऑनलाइन बना दिया है, उसे फेसबुक, ट्विटर, यूट्यूब, इंस्टाग्राम, स्नैपचैट इत्यादि जैसे सामाजिक माध्यम कहा जा सकता है।

यह हमेशा बहस का विषय रहा है कि सामाजिक माध्यम वरदान है या अभिशाप /शाप। पूरे भारत में स्कूल और कॉलेज शैक्षणिक वर्ष में भाषण प्रतियोगिताओं और निबंध प्रतियोगिताओं जैसे विभिन्न प्रतिस्पर्धा आयोजित करते हैं और कई छात्र उनमें भाग लेते हैं। इस लेख में, हमने अपने जीवन पर सोशल मीडिया के प्रभावों पर एक परिपूर्ण निबंध या बेहतर भाषण लिखने के लिए आवश्यक जानकारी प्रदान की है। हम मूल जानकारी दे रहे हैं और आप इसे अपनी आवश्यकताओं के अनुसार संशोधित कर सकते हैं क्योंकि निबंध और भाषणों की एक अलग संरचना होती है। तो आइए चर्चा करें कि सोशल मीडिया हमारे समाज और लोगों के लिए अच्छा है या बुरा है।

पूरे भारत में स्कूल और कॉलेज अकादमिक वर्ष में भाषण प्रतियोगिताओं और निबंध प्रतियोगिताओं जैसे विभिन्न प्रतिस्पर्धा आयोजित करते हैं और कई छात्र उनमें भाग लेते हैं। इस लेख में हमने एक परिपूर्ण निबंध या हमारे जीवन पर इसके प्रभावों पर बेहतर भाषण लिखने के लिए आवश्यक जानकारी प्रदान की है। हम मूल जानकारी दे रहे हैं और आप इसे अपनी आवश्यकताओं के अनुसार संशोधित कर सकते हैं क्योंकि निबंध और भाषणों की एक अलग संरचना है। तो आइए चर्चा करें कि सोशल मीडिया हमारे समाज और लोगों के लिए अच्छा या बुरा है या नहीं।

हमारे दैनिक जीवन में सोशल मीडिया का उपयोग बहुत उच्च स्तर तक बढ़ गया है। विशेष रूप से युवा इसका उपयोग से अत्यधिक प्रभावित होते हैं। सोशल मीडिया द्वारा हमारे दैनिक जीवन, समाज और यहां तक कि मानव संबंध भी प्रभावित होते हैं। लेकिन एक सवाल हमेशा उठता है कि क्या सोशल मीडिया आशीर्वाद है या अभिशाप? क्या यह हमारे समाज के लिए वरदान है या शाप? यह सवाल कई तरीको से बहसयोग्य है। इसके फायदे और नुकसान दोनों हैं। तो आइए सोशल मीडिया के पक्षों और विपक्षों पर चर्चा करें।

सोशल मीडिया के फायदे/लाभ क्या हैं?

सोशल मीडिया आपके जीवन में लोगों से जुड़ने का एक शानदार तरीका है। यह आपको महत्वपूर्ण घटनाओं, सूचनाओं और अपने जीवन के क्षणों को महत्वपूर्ण लोगों के साथ साझा करने में सक्षम बनाता है। युवा/युवा पीढ़ी इसका उपयोग करके अत्यधिक प्रभावित है। आज स्कूलों और कॉलेजों में पढ़ने वाले छात्र अपने दैनिक जीवन को अपने दोस्तों के साथ साझा करने के लिए सोशल मीडिया का उपयोग करते हैं। यह आपके दोस्तों, सहयोगियों, परिचितों का आभासी नेटवर्क बनाता है और हमें यह देखने में सक्षम बनाता है कि उनके जीवन में क्या चल रहा है और ऐसा करने के लिए फेसबुक, ट्विटर, इंस्टाग्राम, स्नैपचैट कई सोशल मीडिया साइटें और कई अन्य तरीके हैं।

- **स्वयं को व्यक्त करने के नए तरीके**

पहले अपनी अभिव्यक्ति को व्यक्त करने के लिए बहुत कम अवसर उपलब्ध थे जैसे फ़ोरम, बहस, प्रतियोगिताएं इत्यादि। लेकिन इन स्थानों पर स्वयं को व्यक्त करने के लिए सभी अच्छी तरह से कुशल नहीं हैं, सोशल नेटवर्किंग साइट्स ने प्रत्येक हथेली में अभिव्यक्ति का अवसर दिया है। अब हम कह सकते हैं कि आप क्या कहना चाहते हैं, हमें जो पसंद है उसका समर्थन करें, उन चीजों को फेंक दें जिन्हें हम पसंद नहीं करते हैं। हम परिवर्तन, याचिकाएं, सामाजिक कारणों का समर्थन कर सकते हैं, आपदा और आपदा पीड़ितों से सहानुभूति दिखा सकते हैं । यूट्यूब पर आप वीडियो बनाकर अपना ज्ञान साझा कर सकते हैं, क्वारा पर आप दूसरों को उनके सवालों के जवाब देकर मदद कर सकते हैं। सोशल मीडिया ने छेड़खानी, महिलाओं की सुरक्षा, नारीवाद इत्यादि जैसे गंभीर मुद्दों के खिलाफ आवाज उठाने का माध्यम भी दिया। फेसबुक व्हाट्सएप समुदायों ने 'लापता' संदेश को प्रसारित करके अपने खोए हुए बच्चों को ढूंढने में बहुत से लोगों की मदद की। सोशल नेटवर्किंग साइट्स ने हमें दूसरों की मदद करने के लिए एक माध्यम भी दिया।

- **सूचना संग्रह/वितरण माध्यम**

सोशल मीडिया और सोशल नेटवर्किंग दुनिया भर के लोगों के जीवन का एक अनिवार्य भूमिका निभा रही है। कुछ ऐसे लोग हैं जो बहस करते हैं कि यह हमारे संचार कौशल में सुधार कर रहा है या अपंग बना रहा हैं। साइबर दोस्तों के साथ सम्प्रेषण करते हुए कंप्यूटर के पीछे बैठना आसान और मजेदार हो सकता है लेकिन किसी व्यक्ति के मौखिक संचार कौशल को कमजोर कर सकता है।

सम्प्रेषण को संचार का एक कार्य अथवा उदाहरण के रूप में परिभाषित किया गया है; जानकारी, विचार, या भावनाओं का आदान-प्रदान या विनिमय। (कॉलिन्स, २०० ९)। सम्प्रेषण में एक व्यक्ति या समूह से दूसरों के अर्थ या जानकारी का हस्तांतरण शामिल होता है। (बाक, २०१२)। यह हर किसी के जीवन का एक अभिन्न अंग है।सभी संचार क्षेत्र महत्वपूर्ण हैं कि प्रत्येक क्षेत्र एक प्रणाली का प्रतिनिधित्व करता है जो गंतव्य प्रबंधन की एक विस्तृत प्रणाली के भीतर काम करता है और इसकी समग्र दक्षता में योगदान देता है। हालांकि, संचार के प्रत्येक क्षेत्र की अपनी विशेषताएं हैं और इन विशेषताओं का ज्ञान अंततः एक कुशल संचार तरीके स्थापित करने में मदद करेगा। इस बात का कोई तर्क नहीं हो सकता कि दुनिया पर प्रौद्योगिकी का बड़ा प्रभाव पड़ा है और लोग कैसे संवाद करते हैं।" (ओमेर्सेन, २००९)स्मार्ट फोन, टैबलेट, कंप्यूटर और अन्य मोबाइल उपकरणों के माध्यम से इंटरनेट की पहुंच ने कुछ मामलों में लोगों तक पहुंचने और लोगों से जुड़ने के लिए सूचनाओं का उपयोग किया है। लोग टेक्स्टिंग, ई-मेल और हमेशा-विस्तारित सोशल मीडिया के माध्यम से हमेशा लगभग हर दिन संचार कर रहे हैं। क्योंकि लोकप्रियता और उपयोग में सोशल मीडिया का इस तरह का एक आधुनिक विस्फोट हुआ है, सोशल मीडिया नया मानदंड बन गया है जब व्यस्त जीवन की कुछ खास घटनाओं जैसे सगाई, बच्चों के जन्म से लेकर रात के खाने में कौन क्या खाता है, आधी सभी विवरणों की बात आती है। सोशल मीडिया के पिछले दशक में लोगों के संबद करने के तरीके पर सबसे महत्वपूर्ण प्रभाव पड़ा है।इंटरनेट पहले से कहीं ज्यादा लोगों पर प्रभाव डालता है। यह २० से अधिक वर्षों से दुनिया भर के उपयोगकर्ताओं के लिए समाचार, मनोरंजन और शिक्षा का निरंतर स्रोत रहा है। हालांकि, इसकी सावसे नवीन प्रौद्योगिकियों, सोशल मीडिया को लगभग दस साल पहले तक मुख्यधारा की लोकप्रियता हासिल नहीं हुई थी। फेसबुक, ट्विटर, और इसी तरह की सेवाएं इंटरनेट पर सबसे ज्यादा देखी जाने वाली जगहें बन रही हैं। ये वेबसाइट उपयोगकर्ताओं को चित्रों, लिंक, विचारों और अन्य उपयोगकर्ताओं के साथ संदेशों को तेज़ी से और आसानी से साझा करने की अनुमति देती हैं; सैद्धांतिक रूप से सामाजिक बातचीत की सुविधा प्रदान करती है। इन सेवाओं, अभिगम्यता, सादगी, और सहज डिजाइन के संयोजन के माध्यम से मित्रों, रिश्तेदारों औरसहकर्मियों के बीच बातचीत को प्रोत्साहित करके सकारात्मक सामाजिक व्यवहार को बढ़ावा देते हैं; व्यक्तियों के बीच संचार की सुविधा और समुदाय की गहन भावना को बढ़ावा देते हैं। सोशल मीडिया नेटवर्किंग एक संचार आउटलेट के लिए अनुमति देता है। सोशल मीडिया का उपयोग छात्रों, माता-पिता, व्यापारियों और धार्मिक संगठनों द्वारा किया जा रहा है। कई कारणों से कई प्रारूपों में इसका इस्तेमाल कई अलग-अलग प्लेटफार्मों द्वारा किया जा रहा है।फेसबुक और ट्विटर जैसे सोशल नेटवर्क्स ने हमेशा अपने ग्राहकों को व्यक्तिगत रूप से ऑनलाइन आने के लिए प्रोत्साहित किया है। फिर वे उन मित्रों के व्यक्तिगत नेटवर्क का निर्माण करते हैं जो खुले विश्वव्यापी समुदाय (ग्रिफिथ एंड टेंगनाह, 200 9) से जुड़ते हैं। जानकारी अब दोनों के बीच स्वतंत्र रूप से साझा की जाती है। ये पार्टियां या तो सार्वजनिक रूप से ('दीवारों पर लिखना) या बहुत अलग व्यक्तिगत संदेशों के माध्यम से संवाद कर सकती हैं । दोस्तों के नेटवर्क से जुड़ने के अलावा एक ग्राहक एक विशिष्ट रुचि के साथ समुदाय समूहों में शामिल हो सकता है। यहां, ग्राहक अपनी रुचि से संबन्धित विभिन्न मुद्दों पर चर्चा करते हैं। अक्सर कार्यक्रम बनाया जाता है, जहां शारीरिक बैठकों की व्यवस्था की जाती है। इनमें से अधिकतर समूह ग्राहकों को सुझाव देते हैं कि उन्हें कैसे चलना चाहिए और बहस में शामिल होना चाहिए। वे सदस्यों के लिए एक दूसरे के साथ और समूहों के नेताओं के साथ बातचीत करने के लिए एक सामाजिक मंच भी प्रदान करते हैं।अधिकांश सामाजिक साइटों ने अब अपने ग्राहकों के लिए वेबकैम शामिल किए हैं। वेबकैम 'दोस्तों' को एक-दूसरे के साथ बातचीत करने में सक्षम बनाता है जबकि एक ही समय में एक दूसरे को देखता है। यह संचार अधिक निजी और बहुत प्रभावी है क्योंकि ग्राहक एक-दूसरे को देखते हैं। वेबकैम वार्तालापों की लोकप्रियता में वास्तव में वृद्धि हुई है।सोशल मीडिया नेटवर्किंग के बढ़ते विकास के साथ व्यवसाय विज्ञापन के साधन के रूप में इसे बदल रहे हैं। यह व्यवसायों और संगठनों को लाखों उपयोगकर्ताओं तक पहुंचने की अनुमति देता है जो वे दैनिक आधार पर उपयोग कर रहे हैं। व्यवसाय और संगठन फेसबुक बनाने और प्रशंसकों को प्राप्त करने के लिए प्रचार और छूट की पेशकश करके फेसबुक पर कई उपयोगकर्ताओं तक पहुंचते हैं।यह जानना महत्वपूर्ण है कि सोशल मीडिया सम्प्रेषण परिवर्तन के दायरे को विकसित करता है। सोशल मीडिया में जोड़े गए तकनीकी प्रगति दैनिक आधार पर लोगों के साथ संवाद करने के तरीके को बदलती हैं। इसने संपर्शन को तेज और अधिक कुशल बना दिया है। फेसबुक जैसी सोशल मीडिया साइटें मित्रों के जन्मदिन की दैनिक अनुस्मारक भेजती हैं। फोन से कॉल करके और पारंपरिक रूप से किसी के जन्मदिन की बधाई देने के बजाय आप बस जन्मदिन की शुभकामनाएं टाइप कर सकते हैं। इसने फोन कॉल करने या ग्रीटिंग कार्ड भेजने की आवश्यकता को समाप्त कर दिया है. अपने आप की क्षति किए बिना सोशल मीडिया का प्रभावी ढंग से उपयोग करने के तरीकों पर कोई सामान्य नियम पुस्तिका नहीं है। गोपनीयता मीडिया और जीपीएस ट्रैकिंग के अतिरिक्त सोशल मीडिया और नेटवर्किंग में बढ़ती समस्या बन गई है। हाल ही में, फेसबुक ने आपकी गोपनीयता सेटिंग्स को समझना और समायोजित करना आसान बना दिया है, लेकिन यह उपयोगकर्ता की गोपनियता की सुरक्षा सुनिश्चित करना उपयोगकर्ता पर निर्भर है.अपनी गोपनीयता की रक्षा करने का सबसे अच्छा तरीका यह है कि आप जो पोस्ट करते हैं उसके बारे में सावधान रहें और जो आप पोस्ट कर रहे हैं उसे देख सकता है। मेरा सुझाव है कि सोशल मीडिया और नेटवर्किंग साइटों पर कुछ भी पोस्ट न करें जो आप सभी को प्रसारण नहीं करना चाहते हैं। यद्यपि आप मानते हैं कि आपके परिवार और दोस्तों को आप जो पोस्ट कर रहे हैं उसे देख रहे हैं, कोई भी इसका उपयोग कर सकता है।सोशल मीडिया के उभरने और निरंतर विकास से संचार में काफी सुधार हुआ है। चर्चा से स्कूलों में से प्रत्येक व्यक्ति इसे उपयोगकर्ताओं के साथ संवाद करने के लिए उपयोग करता है। सोशल मीडिया ने नई ऊंचाइयों पर संचार विकसित किया है। आसानी से पहुंच और विकास पादरी से लेकर राजनेताओं तक हर किसी के लिए बहुत फायदेमंद बनाता है। जैसे-जैसे सोशल मीडिया विकसित होता है, संचार में सुधार होगा और नई ऊंचाइयों तक बढ़ना जारी रहेगा। संचार पर सकारात्मक प्रभाव निश्चित रूप से नकारात्मकता पर विजय प्राप्त करता है और इसे बहुत फायदेमंद बनाता है

पृष्ठ सं १ से जारी .....

उस दिन के लिए मुख्य अतिथि के रूप में तुलसी राई, सामाजिक न्याय, सशक्तिकरण एवं कल्याण तथा पीएचई और जल सुरक्षा मंत्री उपस्थित थीं। उस दिन गेज़िंग कॉलेज द्वारा समृद्ध नेपाली संस्कृति का चित्रण का विशेष प्रदर्शन किए गए थे। इसके बाद भूगोल विभाग के छात्रों द्वारा प्रदर्शन रहा जिनके प्रदर्शन ने सभी दर्शकों को चकित किया। इसके बाद सिक्किम विश्वविद्यालय के राई समुदाय ने अपने पारंपरिक नृत्य का प्रदर्शन किया। सबसे महत्वपूर्ण प्रदर्शन, जिसके लिए सभी उत्सुकता से प्रतीक्षा कर रहे थे, वह था द बैटल ऑफ बैंड! निर्णायक गण भी बहुत ही खास थे। नेपाली पुराने स्कूल के रॉक बैंड "द मन्त्र" के बहुत विशेष था। बैंड ने अपना गीत शुरू किया और दर्शकों ने भी साथ-साथ नृत्य किया। बैंड के कार्यक्रम समाप्त होने के बाद उस दिन के एक घंटे के लिए "बी ४-होटी" के विशेष अतिथि रहा और अपने प्रदर्शन और गीतों से भीड़ में हर किसी को आह्लादित किया। पूरे जन समूहों ने गीत और नृत्य का भरपूर आनंद उठाया। इस अद्भुत और ऊर्जावान प्रदर्शन के बाद यह सांस्कृतिक कार्यक्रमों के पुरस्कार वितरण समारोह का समय था। इसके साथ छात्रों के इस तीन दिवसीय लंबे त्यौहार का अंत था। सिक्किम विश्वविद्यालय के छात्रों के लिए यह एक अद्भुत समय था क्योंकि यह एकमात्र समय है जब वे एक साथ सम्मिलित हो सकते हैं। यह एक जोड़नेवाली शक्ति है जो छात्रों को एक साथ बांधे रखती है।